आज की मुरली का सहज सार ---------- Date: 04-07-2014

बाबा ने आज याद की यात्रा पर फिरसे भार देते हुए कहा, बाप से होलसेल व्यापार करना सीखो, होलसेल व्यापार हैं मन्मनाभव, अल्फ (बाबा) को याद करना और कराना, बाकी सब हैं रिटेल.

बाबा ने आज की मुरली में हमें बार-बार एक बाप को याद करने को कहा, उसे ही हम लिख के रिपिट करेंगे, जिसे बाबा की याद हमें पक्की हो जायें.

- बाबा ने कहा, बच्चों को अपने बाप और शांतिधाम, सुखधाम की याद में बैठना हैं. आत्मा को, बाप को ही याद करना हैं, इस दुखधाम को भूल जाना हैं.

- एक ही बाप मिला हुआ हैं, जो बहुत सहज रास्ता बताते हैं. बाप को, शांतिधाम और सुखधाम को याद करो, इस दुखधाम को भूल जाओ. घूमो-फिरो लेकिन बुद्धि में यही याद रहे.

- वास्तव में हैं एक अक्षर - बाप को याद करो. बाप को याद करने से सुखधाम और शांतिधाम दोनों वर्से याद आ जाते हैं. देने वाला तो एक बाप ही हैं. याद करने से खुशी का पारा चडेगा.

- बच्चों की बुद्धि में है - बाबा हमको घर में फिर वेलकम करेंगे, रिसीव करेंगे, परन्तु उनको जो अच्छी रीति बाप की मत पर चलेंगे और कोई को याद नहीं करेंगे.

- देह सहित देह के सर्व सम्बन्धों से बुद्धि योग तोड मामेकम याद करना हैं.

- अभी बाप कितना सहज रास्ता बताते हैं, सिर्फ यह याद करो. बाप, बाप भी हैं, शिक्षक भी हैं, सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान सुनाते हैं, जो और कोई समझा न सके.

- बाप भी खुश होते हैं, तुम बच्चों ने बाप को इनवाइट किया हैं बहुत समय से. अब बाप को रिसीव किया हैं. बाप कहते हैं मैं तुमको गुल-गुल बनाकर फिर शांतिधाम में रिसीव करूंगा. फिर तुम नम्बरवार चले आयेंगे. कितना सहज है. ऐसे बाप को भूलना नहीं हैं.

- बात तो बहुत मीठी और सीधी हैं. एक बाप अल्फ को याद करो. भल डिटेल में समझाते हैं फिर पिछाड़ी में कहते हैं अल्फ को याद करो, दूसरा न कोई.

- जितना याद करेंगे उतना सूर्यवंशी में आयेंगे.

- बाबा रास्ता तो बहुत सीधा और सहज बतलाते हैं कि बाप को याद करो.

- बाप बच्चों को घर ले जाने आये हैं. अब अपने को आत्मा समझ बाप को याद करेंगे तो पाप कटते जायेंगे.

- मैं आत्मा हूं, इतना समय देह-अभिमान में रहने कारण तुम उल्टा लटक पड़े थे. अब देही-अभिमानी बन बाप को याद करो.

- सारे सृष्टि चक्र का ज्ञान है रिटेल. होलसेल में तो सिर्फ एक अक्षर कहते है - मामेकम याद करो.

- इतना ज्ञान सुनाते हैं जो सागर को स्याही बनाओ तो भी अन्त न आये - यह हुआ रिटेल. होलसेल में सिर्फ कहते हैं मन्मनाभव.

- तुम्हारे पास कोई भी आये उनको बोलो बाप कहते हैं मुझे याद करो तो शांतिधाम-सुखधाम का वर्सा मिलेगा.

- बाप को याद करो तो पाप नाश हों फिर पवित्र बन शांतिधाम में चले जायेंगे.

- कहते भी हैं शांति देवा. बाप ही शांति के सागर हैं तो उनको ही याद करते हैं.

- एक बाप को याद करने से उसमें सब आ जाता हैं.

- तुम होलसेल व्यापारी हो ना. बाप को याद करते ही रहते हो. कई रिटेल में सोदा कर फिर भूल जाते हैं. बाप कहते हैं निरन्तर याद करते रहो.

- सब बातें होलसेल और रिटेल में समझाकर फिर अन्त में कह देते हैं मन्मनाभव, मध्याजी भव. मन्मनाभव में सब आ जाता हैं.

ॐ शांति.